भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3771

दिनांक 25.03.2022 को उत्तर देने के लिए

रूस-यूक्रेन युद्ध का भारत पर प्रभाव

3771. श्रीमती कविता मलोथू:

श्री मारगनी भरतः

डॉ. जी. रणजीत रेड्डी:

डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंताः

श्री दयाकर पसुनूरी:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रूस-यूक्रेन युद्ध का भारत पर क्या राजनीतिक, कूटनीतिक और आर्थिक प्रभाव पड़ा है;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत और रूस तथा भारत और यूक्रेन के बीच व्यापार का वर्ष-वार और देश-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान उपर्युक्त दोनों देशों से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का वर्ष-वार और देश-वार प्रवाह कितना रहा;

(घ) क्या सरकार ने यूक्रेन से सभी भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) रूस/यूक्रेन में युद्ध रोकने में सहायता करने के लिए सरकार द्वारा क्या राजनयिक और अन्य प्रयास किए गए?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री वी. मुरलीधरन]

(क) और (ङ) यूक्रेन में युद्ध से यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया है। हमारी परामर्शियों और ऑपरेशन गंगा के फलस्वरूप, फरवरी 2022 से लगभग 22500 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया है।

कई देशों ने इस युद्ध के कारण रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। इससे आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान उत्पन्न होने सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसका प्रभाव ऊर्जा और वस्तुओं की

कीमतों पर अभी से ही दिखाई देने लगा है। हम सभी हितधारकों के साथ परामर्श करके भारत-रूस द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कर रहे हैं। रूस के साथ भारत के संबंध अपने बलबूते पर है।

यूक्रेन में सामने आ रहे घटनाक्रमों ने संयुक्त राष्ट्र, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद को प्रभावित किया है, जहां वर्तमान में भारत एक अस्थायी सदस्य के रूप में कार्य कर रहा है। हमने बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है और युद्ध को तत्काल समाप्त करने तथा सभी तरह की शत्रुता को समाप्त करने का आह्वान किया है। सुरक्षा परिषद और महासभा में हमारे वक्तव्यों में तत्काल युद्धविराम और फंसे हुए नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। हमने संकट की इस घड़ी में भारत द्वारा यूक्रेन और उसके पड़ोसी देशों को दी गई मानवीय सहायता का भी उल्लेख किया है।

हमने अपने नेतृत्व के उच्चतम स्तर पर सभी संबंधित पक्षों के समक्ष इस बात को दोहराया है कि कूटनीति और संवाद के रास्ते के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। हमने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से इस बात पर जोर दिया है कि वैश्विक व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रों की संप्रभुता के सम्मान पर आधारित है।

ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत और रूस/यूक्रेन के बीच व्यापार का विवरण मिलियन अमेरिकी डॉलर में निम्नानुसार है –

वर्ष	रूस			यूक्रेन		
	निर्यात	आयात	कुल व्यापार	निर्यात	आयात	कुल व्यापार
2017-2018	2,113.40	8,573.46	10,686.86	330.10	2,355.97	2,686.07
2018-2019	2,389.62	5,840.44	8,230.06	390.8	2,341.03	2,731.82
2019-2020	3,017.75	7,093.01	10,110.76	463.81	2,060.79	2,524.60
2020-2021	2,655.84	5,485.75	8,141.58	450.97	2,139.86	2,590.83
अप्रैल-जनवरी 2022 (पी)	2,854.57	7,972.12	10,826.69	426.78	2,444.91	2,871.69

(स्रोत: डीजीसीआई एंड एस)

(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान रूस/यूक्रेन और भारत के बीच एफडीआई प्रवाह का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	वर्ष	रूस (मिलियन अमेरिकी डॉलर में एफ़डीआई)	यूक्रेन (मिलियन अमेरिकी डॉलर में एफ़डीआई)
1	2016-17	11.00	0.62

	अप्रैल-मार्च		
2	2017-18	36.00	1.63
3	2018-19	3.81	0.00
4	2019-20	17.25	0.00
5	2020-21	2.67	2.09
6	2021-22 (अप्रैल-दिसंबर)	5.10	0.63
	कुल योग	75.83	4.96

(स्रोत: डीपीआईआईटी)

(घ) 1 फरवरी 2022 से (अब तक) लगभग 22500 भारतीय नागरिक, ज्यादातर छात्र, यूक्रेन से लौटे हैं। 24 फरवरी 2022 से पहले लगभग 4000 छात्र वाणिज्यिक उड़ानों के माध्यम से वापस आ गए थे। 24 फरवरी के बाद से अब तक लगभग 18500 भारतीय नागरिकों को निकाला गया था। ऑपरेशन गंगा के तहत 90 उड़ानें चलाई गई थीं, जिनमें से 76 वाणिज्यिक एयरलाइंस और 14 भारतीय वायु सेना की उड़ानें थीं।

अनुमान है कि लगभग 40-50 भारतीय नागरिक अभी भी यूक्रेन में हैं, जिनमें से कुछ ही भारत लौटने के इच्छुक हैं। राजदूतावास की ओर से उनको वापसी की सुविधा दी जा रही है।

***